



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]  
No. 13]

नई दिल्ली, शुकवार, जून 15, 1984/ज्येष्ठ 25, 1906  
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 15, 1984/JYĀISTHA 25, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज-I का कार्यालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

अहमदाबाद, 1 जून, 1984

निर्देश सं० पी० आर० सं० 3025 अर्जन 23/I-84-85 :—अतः मुझे, आर० आर० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खेती की जमीन सर्वे न० 497 है। तथा जो गाँव—दुधराज जिला—सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-83 को पुरांकित सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

(ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) वडवाला देवमंदिर गौशाला ट्रस्ट,  
दुधराज, जिला—सुरेन्द्रनगर  
के/ओ श्री चन्द्रकान्त कपूरबन्धु संघवी,  
बदुनीवास, जोरावरनगर,  
जिला—सुरेन्द्रनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री (1) चन्द्रकान्त कपूरचन्द संघवी  
बदुनीवास जोरावरनगर,  
जिला—सुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)
- (2) मयूरकुमार हीमन्तलाल मेहता  
ब० नं० 2, अशोकनगर मोसायटी, सुरेन्द्रनगर।
- (3) हंसमुखलाल एम० शेट सुरेन्द्रनगर

- (4) कृष्णामुरारी जी० अग्रवाल  
जिला धारा, जिला—सुरेन्द्रनगर
- (5) श्री अजयल एम० शाह
- (3) श्री अजयल/कुमारी ..... (यह  
व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी ..... (यह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधिभोगाधिकारी  
जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंश के लिए एतद्वारा  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति अंश के सम्बन्ध में बोर्ड की आज्ञाएं,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की  
अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की  
अवधि जो भी अवधि बाद में गमाया होना हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के  
भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-  
हस्ताधिकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आधिकार अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 205 के अनुसार दिया है वही अर्थ  
होगा, जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन जी गांव—दुधराज गीम, सर्वे नं० 497, जिला—सुरेन्द्रनगर  
स्थित है तथा रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन नं० 3122/13-9-83 है।

आर० आर० शाह, मजमूदाधिकारी  
नवाबत अधिकार अधिकृत (निरीक्षण),  
अंजन रंज I

अंमदाबाद

तारीख : 1-6-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUI- SITION RANGE-I

Notice under Section 269 D(1) of the Income tax  
Act, 1961 (43 of 1961)

Ahmedabad, the 1st June, 1984

Ref. No. P. R. No. 3025 Acq. 23|I|84-85.—  
Whereas, I, R. R. Shah, being the Competent  
Authority under Section 269B of the Income Tax  
Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to  
as the said 'Act') has reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agricultural  
land at Village Dhudhraj Distt. Surendranagar,  
Survey No. 497. (and more fully described in the  
Schedule annexed hereto) has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in  
the office of the registering officer at Surendranagar

on 13-9-1983 for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in  
the said Instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of  
the liability of the transferor to pay tax  
under the said Act, In respect of any  
income arising from the transfer, and|  
or.
- (b) facilitating the concealment of any in-  
come or any moneys or other assets  
which have not been or which ought  
to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income Tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or  
the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C  
of the said Act, I hereby initiate proceedings for  
the acquisition of the aforesaid property by the  
issue of this notice under sub-section (1) of Sec-  
tion 269D of the said Act to the following Per-  
sons, namely :—

- (1) Wadwala Dev Mandir, Gaushala Trust,  
Dhudhraj, Distt. Surendranagar C/o.  
Shri Chandrakant Kapurchand Sangvi,  
Badunivas, Joravarnagar, District:  
Surendranagar. (Transferor) (s)
- (2)(1) Chandrakant Kapurchand Sanghavi,  
Badunivas, Joravarnagar, Distt. Su-  
rendranagar. (Transferee) (s)
- (2) Mayurkumar Himatlal Mehta, B. No.  
2, Ashoknagar Soc. Surendranagar
- (3) Hasmukhlal M. Sheth, Surendranagar.
- (4) Krishnamurari G. Agrawal, Dham-  
ghadra, Distt. Surendranagar.
- (5) Dhirajlal M. Shah.
- (3) .....  
(Person in occupation of the  
property)
- (4) .....  
(person whom the under signed  
knows to be interested in the  
property)

Objections, if any to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the  
undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within  
a period of 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official

Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Land at village Dudhraj Seem S. No. 497 Distt. Surendranagar, Registered vide Registration No. 3122 dated, 13-9-1983.

R. R. SHAH, Competent Authority  
(Inspecting) Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range I)

Ahmedabad :

Dt. 1-6-1984.

Seal :

3

(Strike of where not applicable)

